दिन– बुधवार दिनांक– 08 / 10 / 2025

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– शाम 7.30 बजे से। अवधि– 15 मिनट

---

01. एनडीए और महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर अब तक नहीं हो सका है कोई फैसला।

02 राजद का कांग्रेस, वीआईपी और वाम दलों के साथ तालमेल को लेकर लगातार बैठकों का सिलसिला जारी।

03. आयकर विभाग ने विधानसभा चुनाव के दौरान काले धन के उपयोग की रोकथाम का दिया कड़ा निर्देश।

04. और, निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर एनडीए और महागठबंधन के घटक दलों के बीच अब तक कोई फैसला नहीं हो सका है। दोनों ही गठबंधनों के घटक दलों के बीच बातचीत का सिलसिला जारी है।

भारतीय जनता पार्टी चुनाव समिति की आज पटना में एक महत्वपूर्ण बैठक हुयी। बैठक में पार्टी के चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान, सह चुनाव प्रभारी केशव प्रसाद मौर्य, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। लगभग चार घंटे चली बैठक में भाजपा कोटे की सीटों और प्रत्याशियों के चयन को लेकर गहन विचार विमर्श किया गया। बैठक के बाद उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संवाददाताओं को बताया कि सीट बंटवारे को लेकर एनडीए के घटक दलों के बीच बातचीत जारी है।

———बाइट———

इस बीच, लोक जनशक्ति पार्टी, रामविलास के अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा है कि जब तक एनडीए में सीटों के बंटवारे पर अंतिम रूप से कोई फैसला नहीं हो जाता है तब तक वे इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे। आज

खगड़िया में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि सही समय पर सही फैसला लिया जाएगा।

———बाइट———

गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी ने अकेले एक सौ चौंतीस सीटों पर चुनाव लड़ा था। इसमें पार्टी को मात्र एक सीट पर जीत मिली थी।

———————————————————————————

इधर, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के संरक्षक और केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि यदि उन्हें पन्द्रह सीटें नहीं मिलती है तो उनकी पार्टी एनडीए में रहते हुए भी चुनाव नहीं लड़ेगी। दिल्ली में संवाददाताओं से बातचीत में श्री मांझी ने कहा कि वे पार्टी को मान्यता दिलाने के लिए पन्द्रह सीटों की मांग कर रहे हैं।

———बाइट———

पिछले विधानसभा चुनाव में हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा ने एनडीए के बैनर तले सात सीटों पर चुनाव लड़ा था और पार्टी को चार सीटों पर जीत मिली थी।

———————————————————————————

सीट बंटवारे को लेकर जदयू की एक महत्वपूर्ण बैठक पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर आयोजित की गयी। बैठक में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, वरिष्ठ नेता ललन सिंह और नेता विजय कुमार चौधरी समेत कई अन्य नेता मौजूद थे। इस बैठक में जदयू कोटे की सीटों और उम्मीदवारों के चयन पर मंथन किया गया। कल भी नीतीश कुमार ने अपने आवास पर पार्टी नेताओं के साथ एक बैठक की थी।

———————————————————————————

महागठबंधन में भी सीटों के बंटवारे को लेकर अब तक अंतिम रूप से सहमति नहीं बनी है। राजद के वरिष्ठ नेता और महागठबंधन के समन्वयक तेजस्वी प्रसाद यादव ने आज पटना में सीट शेयरिंग फॉर्मूले पर पत्रकारों के एक सवाल पर चुप्पी साध ली। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने इस बार परिवर्तन का मन बना लिया है और महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

———बाइट———

विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि महागठबंधन में सब कुछ लगभग तय हो गया है। कल से परसों तक सीटों के बंटवारे की घोषणा कर दी जाएगी।

———बाइट———

इधर, भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि महागठबंधन के घटक दलों के बीच बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है।

———बाइट———

इस बीच, महागठबंधन के समन्वयक तेजस्वी प्रसाद यादव से झारखंड मुक्ति मोर्चा के एक प्रतिनिधिमंडल ने पटना में मुलाकात की। झामुमो ने सात सीटों बांका, कटोरिया, चकाई, तारापुर, मनिहारी, पूर्णिया और धमदाहा सीट पर अपनी दावेदारी जतायी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता विनोद पांडेय ने कहा कि बातचीत बहुत सकारात्मक रही। इधर, सीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव डी. राजा ने भी पटना में तेजस्वी प्रसाद यादव से मुलाकात की। पार्टी ने चौबीस सीटों पर अपनी दावेदारी जतायी है।

———————————————————————————

टिकट बंटवारे को लेकर कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की आज नई दिल्ली में बैठक हुयी। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, बिहार स्क्रीनिंग कमिटी के चेयरमैन अजय माकन, बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और पार्टी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। प्राप्त जानकारी के अनुसार बैठक में पच्चीस उन सीटों पर प्रत्याशियों के चयन को लेकर विचार–विमर्श किया गया, जो कांग्रेस के खाते में आने वाली हैं। बैठक के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि महागठबंधन में किसी प्रकार की कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन के सभी घटक दलों की कल एक बैठक होगी।

———बाइट———

———————————————————————————

भभुआ से राजद विधायक भरत बिंद ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने की संभावना है। इधर, चेनारी

विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक मुरारी गौतम ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी और जय हिन्द सेना पार्टी प्रमुख शिवदीप लांडे दो सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। श्री लांडे ने अररिया और जमालपुर विधानसभा क्षेत्रों से निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की है। उनकी पार्टी का निबंधन नहीं होने के कारण उन्होंने निर्दलीय ही विधानसभा चुनाव में उतने का फैसला किया है।

आयकर विभाग ने विधानसभा चुनाव के दौरान काले धन के प्रवाह और उपयोग पर निगरानी रखने तथा उसे रोकने के लिए पटना में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की है। ब्यौरा हमारी संवाददाता से..

---रिपोर्ट---

आयकर विभाग का नियंत्रण कक्ष चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक चौबीसों घंटे सातों दिन काम करेगा। इस नियंत्रण कक्ष का हेल्पलाईन नम्बर है– एक आठ शून्य शून्य तीन चार पांच छह दो एक तीन। वाट्सएप नम्बर है– सात सात तीन नौ शून्य सात छह छह छह नौ। लोग इन नम्बरों पर काले धन से जुड़ी शिकायत या सूचना साझा कर सकते हैं। इसके अलावा ई–मेल आईडी– बिहार डॉट नोडल डॉट इलेक्शन एट द रेट इनकम टैक्स डॉट जीओवी डॉट इन पर भी सूचना साझा की जा सकती है। समाचार कक्ष से मैं दीप्ति रमण।

निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। एक रिपोर्ट–

---रिपोर्ट---

निर्वाचन आयोग ने बिहार में शिकायतों का त्वरित और सौ मिनट के भीतर समाधान सुनिश्चित करने के लिए आठ सौ चौबीस उड़न दस्ते तैनात किए हैं। साथ ही एक शिकायत निगरानी प्रणाली भी स्थापित की गई है। इसका नंबर है –एक नौ पांच शून्य। इस नम्बर पर आम जनता या राजनीतिक दल अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा सी–विजिल ऐप पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। आयोग ने सरकारी, सार्वजनिक और निजी संपत्ति से किसी भी राजनीतिक दल के पोस्टर को हटाने का निर्देश दिया है। साथ ही सरकारी वाहनों और सरकारी आवास के दुरुपयोग पर भी रोक लगाने के निर्देश दिये गये हैं। निर्वाचन आयोग ने चुनाव संचालन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण पर भी रोक लगा दी है। आयोग ने कहा है कि राजनीतिक दलों को जनसभा आयोजित करने से पूर्व प्रशासन से आवश्यक रूप से अनुमति लेनी होगी और स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी देनी होगी। समाचार कक्ष से इकबाल अहमद।

बिहार में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल–सीएपीएफ के लगभग एक लाख जवानों की तैनाती की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीएपीएफ की पांच सौ कंपनियां बिहार पहुंच चुकी हैं। निर्वाचन आयोग और गृह मंत्रालय की अंतिम मंजूरी मिलने के बाद सीएपीएफ की और बारह सौ कंपनियां बिहार आयेंगी। सीएपीएफ में एसएसबी, सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ और आरपीएफ जैसे बल शामिल हैं।

———————————————————————————

और अब अंत में मुख्य समाचार, एक बार फिर.....

01. एनडीए और महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर अब तक नहीं हो सका है कोई फैसला।

02 राजद का कांग्रेस, वीआईपी और वाम दलों के साथ तालमेल को लेकर लगातार बैठकों का सिलसिला जारी।

03. आयकर विभाग ने विधानसभा चुनाव के दौरान काले धन की उपयोग के रोकथाम का दिया कड़ा निर्देश।

04. और, निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

———————————————————————————

इसके साथ ही आकाशवाणी, पटना से प्रसारित प्रादेशिक समाचार का ये अंक समाप्त हुआ।